भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-740
दिनांक 07.02.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

मालदीव के साथ राजनयिक संबंध

740. श्री मनीश तिवारीः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केंद्र सरकार को वाशिंगटन पोस्ट में 31 दिसंबर, 2024 को प्रकाशित उन रिपोटों की जानकारी है जिनमें मालदीव में भारत द्वारा राजनीतिक घटनाक्रम को प्रभावित करने के लिए प्रयास किए जाने का आरोप लगाया गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भारत सरकार ने उक्त रिपोटों का खंडन किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) मालदीव में भारत की राजनयिक उपस्थिति को मजबूत करने और विशाल हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में प्रभाव जमाने की होड़ में लगे अन्य देशों के प्रतिकूल प्रभाव को प्रभावी ढंग से कम करना सुनिश्चित करने हेतु सरकार द्वारा क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (घ) भारत सरकार को मालदीव के संदर्भ में 30 दिसंबर 2024 को वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित हालिया रिपोर्ट की जानकारी है। उक्त रिपोर्ट को भारत सरकार, और मालदीव सरकार द्वारा भी, सार्वजनिक रूप से और स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया गया है। भारत और मालदीव के बीच मित्रवत और सहयोगी द्विपक्षीय संबंध हैं। मालदीव के राष्ट्रपति ने अक्टूबर 2024 में भारत की राजकीय यात्रा की, जिस दौरान दोनों देशों के नेताओं ने भारत और मालदीव के बीच व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के लिए एक संयुक्त दृष्टिकोण अंगीकृत किया, जो द्विपक्षीय संबंधों को और बेहतर बनाने के लिए एक मार्गदर्शक रूपरेखा प्रदान करता है। मालदीव भारत की 'पड़ोस प्रथम ' नीति और 'सागर' संबंधी दृष्टिकोण, अर्थात क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास में एक महत्वपूर्ण भागीदार है। मालदीव सहित विभिन्न देशों के साथ भारत के संबंध अपने आप में स्वावलंबी हैं और तीसरे देशों के साथ उन देशों के संबंधों से स्वतंत्र हैं। तथापि , भारत सरकार भारत की सुरक्षा और आर्थिक हितों पर असर डालने वाले किसी भी घटनाक्रम पर सावधानीपूर्वक नज़र रखती है और उनकी सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करती है।

*****